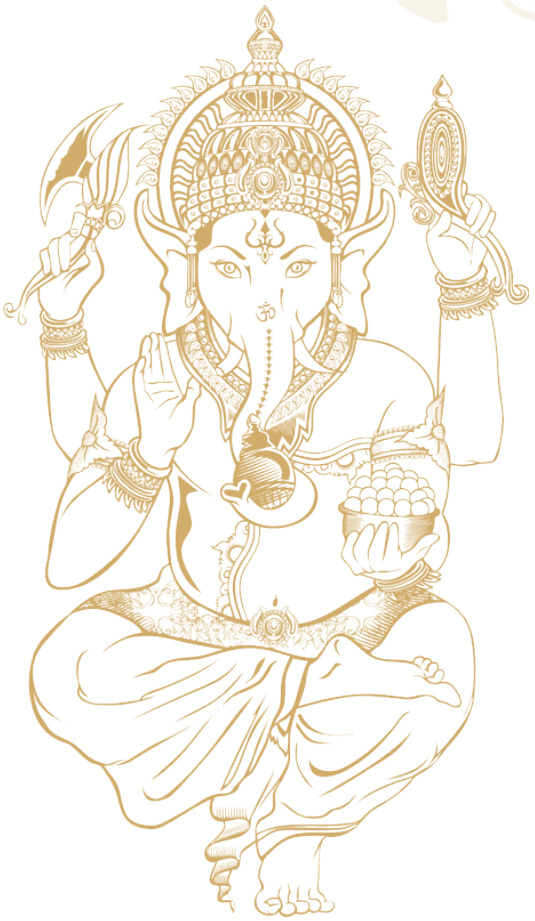

Megha Bhadech

25 Mar 1998

09:15 PM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121073102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/03/1998**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:15:00 घंटे**
इष्ट	36:57:11 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:45:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:57:32 घंटे
सूर्योदय	06:28:07 घंटे
सूर्यास्त	18:42:38 घंटे
दिनमान	12:14:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:57:32 मीन
लग्न के अंश	15:06:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:06:02	311:02:14	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			मीन	10:57:32	00:59:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	06:11:34	14:39:08	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	22:17:40	00:45:42	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मीन	27:21:56	00:16:39	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	17:54:06	00:13:53	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
शुक्र			मक	24:29:54	00:58:22	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	27:09:01	00:07:24	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु			सिंह	16:35:44	00:00:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	16:35:44	00:00:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:47:41	00:02:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:54:11	00:01:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:10:26	00:00:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	18:05:26	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:50

लग्न-चलित

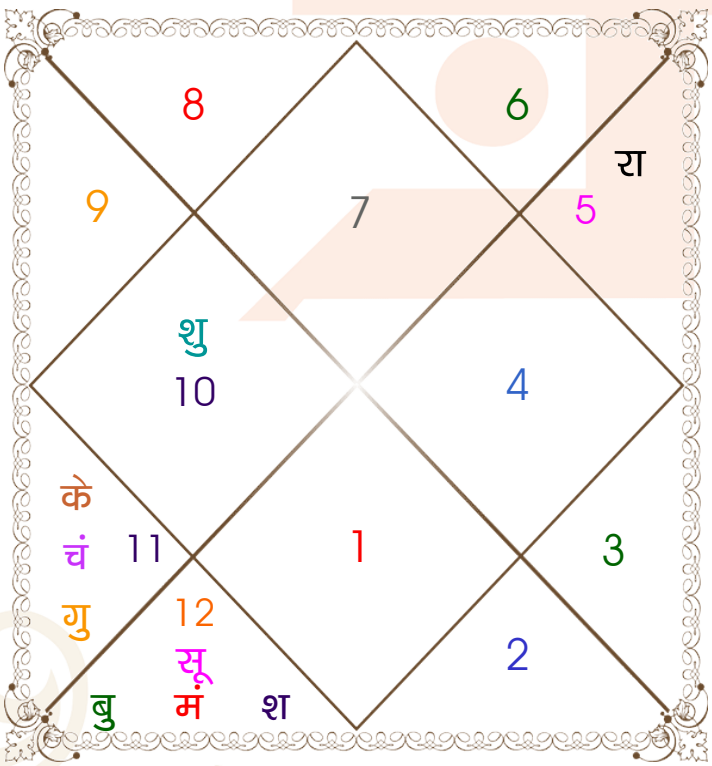

चन्द्र कुंडली

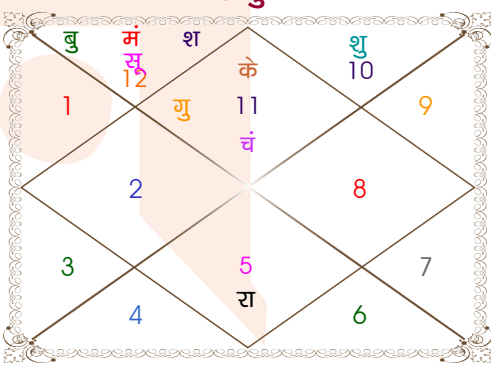

नवमांश कुंडली

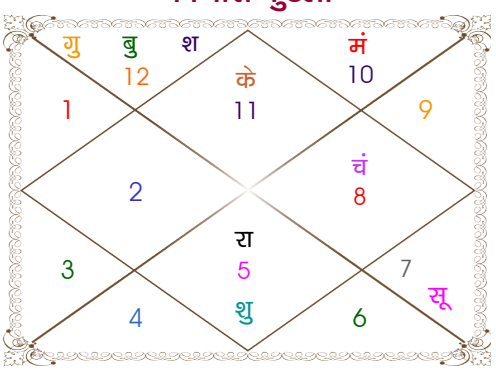

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 2 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/03/1998		24/06/1998		24/06/2016		24/06/2032		24/06/2051	
24/06/1998		24/06/2016		24/06/2032		24/06/2051		24/06/2068	
	00/00/0000	राहु	06/03/2001	गुरु	12/08/2018	शनि	28/06/2035	बुध	20/11/2053
	00/00/0000	गुरु	31/07/2003	शनि	22/02/2021	बुध	07/03/2038	केतु	17/11/2054
	00/00/0000	शनि	06/06/2006	बुध	31/05/2023	केतु	15/04/2039	शुक्र	17/09/2057
	00/00/0000	बुध	23/12/2008	केतु	06/05/2024	शुक्र	15/06/2042	सूर्य	25/07/2058
	00/00/0000	केतु	11/01/2010	शुक्र	05/01/2027	सूर्य	28/05/2043	चंद्र	24/12/2059
	00/00/0000	शुक्र	11/01/2013	सूर्य	24/10/2027	चंद्र	26/12/2044	मंगल	20/12/2060
	00/00/0000	सूर्य	05/12/2013	चंद्र	22/02/2029	मंगल	04/02/2046	राहु	10/07/2063
	25/03/1998	चंद्र	06/06/2015	मंगल	29/01/2030	राहु	11/12/2048	गुरु	15/10/2065
चंद्र	24/06/1998	मंगल	24/06/2016	राहु	24/06/2032	गुरु	24/06/2051	शनि	24/06/2068

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/06/2068		24/06/2075		24/06/2095		25/06/2101		25/06/2111	
24/06/2075		24/06/2095		25/06/2101		25/06/2111		26/03/2118	
केतु	20/11/2068	शुक्र	24/10/2078	सूर्य	12/10/2095	चंद्र	25/04/2102	मंगल	22/11/2111
शुक्र	20/01/2070	सूर्य	24/10/2079	चंद्र	12/04/2096	मंगल	24/11/2102	राहु	09/12/2112
सूर्य	28/05/2070	चंद्र	24/06/2081	मंगल	18/08/2096	राहु	25/05/2104	गुरु	15/11/2113
चंद्र	27/12/2070	मंगल	24/08/2082	राहु	12/07/2097	गुरु	24/09/2105	शनि	25/12/2114
मंगल	25/05/2071	राहु	24/08/2085	गुरु	30/04/2098	शनि	26/04/2107	बुध	22/12/2115
राहु	12/06/2072	गुरु	24/04/2088	शनि	12/04/2099	बुध	24/09/2108	केतु	19/05/2116
गुरु	18/05/2073	शनि	24/06/2091	बुध	17/02/2100	केतु	25/04/2109	शुक्र	19/07/2117
शनि	27/06/2074	बुध	24/04/2094	केतु	25/06/2100	शुक्र	25/12/2110	सूर्य	24/11/2117
बुध	24/06/2075	केतु	24/06/2095	शुक्र	25/06/2101	सूर्य	25/06/2111	चंद्र	26/03/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 2 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।